जिलाधिकारी महोदय आगरा की अध्यक्षता में दिनांक 06.08.2026 को आयोजित जल जीवन मिशन (फेस–4) के अन्तर्गत सतही स्त्रोत आधारित पेयजल योजना में कराये जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक का कार्यवृत्त।

जिलाधिकारी महोदय, की अध्यक्षता में दिनांक 06.08.2026 को जिलाधिकारी कैम्प कार्यालय पर समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में श्रीमति प्रतिभा सिंह, मुख्य विकास अधिकारी, श्री जुबेर बेग, अपर जिलाधिकारी(नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति), श्री अवनीश सिंह, अधिशासी अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण), श्री रविन्द्र प्रताप सिंह, परियोजना प्रबन्धक, यमुना प्रदुषण नियन्त्रण इकाई, आगरा डॉ मुकेश चौधरी, डिप्टी मुख्य चिकित्सा अधिकारी, श्री सम्यक केन, आर.एफ.ओ खेरागढ़ आगरा, श्री दीपक कुमार, हाइड्रोलॉजिस्ट, भू गर्भ जल विभाग, श्री अखिलेश कुमार, अधिशासी अभियंता, लघु सिंचाई विभाग, श्री अंकुर पटेल, सहायक अभियंता, नलकूप खण्ड आगरा, श्री महेश कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी, श्री शैलेन्द्र शर्मा, डी.आई.ओ श्री एन. के. सिंह, अधिशासी अभियंता सिंचाई, श्री विकास गौर, वन विभाग, श्री कमल भारद्वाज, सहायक अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम(ग्रामीण), श्री विपिन कुमार अगरिया, सहायक अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम(ग्रामीण), श्री रविन्द्र कुमार जैन, डी.पी.एम. टीपीआई, श्री रोहित ठाकुर, डीपीएम, आर.बी.एसोसियेट, श्री आनन्द कुमार सिंह, डिस्ट्रिक्ट कोर्डिनेटर, डीपीएमयू, कार्यदायी संस्था मै0 एन0सी0सी0 लि0 से श्री शिवराम राजू, प्रोजेक्ट मैनेजर, मै0 मेघा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0 से श्री दीपक कुमार, डीपीएम और मै0 दारा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा0 लि0 से श्री अमित पाण्डे, प्रोजेक्ट मैनेजर उपस्थित रहे।

अधिशासी अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा दोनो निर्माणाधीन परियोजनाओं की भौतिक प्रगति एवं मै0 दारा इंजीनियरिंग के द्वारा 89 नग पेयजल योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव की प्रगति के सम्बन्ध में निम्नलिखित रूप से बताया गया–

<u>मै0 एन0सी0सी0–एपको(जे0बी0), पैकेज–01</u>

1. **भूमिगत जलाशय (CWR) की प्रगति–** जल जीवन मिशन के अन्तर्गत मै0 एन0सी0सी0 द्वारा कुल 17 सी0डब्ल्यू0आर0 का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। अधिशासी अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि 17 सीडब्लूआर पर पीसीसी का कार्य (0–25 प्रतिशत) पूर्ण, 17 सीडब्लूआर पर राफ्ट कार्य (26–50 प्रतिशत) पूर्ण, 17 सीडब्लूआर पर रिटेनिंग वॉल कार्य (51–75 प्रतिशत) पूर्ण एवं 17 सीडब्लूआर पर स्लैब कार्य (76–99 प्रतिशत) कार्य प्रगति पर है। टी0पी0आई0 द्वारा बताया गया 514 के सापेक्ष मात्र 178 मैनपावर उपलब्ध है जो कि बहुत कम है जिससे निर्माण कार्य धीमी गति से हो रहा है। प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा बताया गया कि सीडब्लूआर के समस्त कार्य सितम्बर 2026 तक पूर्ण करा लिये जायेंगें। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा मै0 एन.सी.सी के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया गया कि तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए सर्वोच्च प्राथमिकता पर कार्य पूर्ण करायें।
2. **पम्प हाउस (Pump House) की प्रगति–** जल जीवन मिशन के अन्तर्गत मै0 एन0सी0सी0 द्वारा कुल 17 सीडब्लूआर पर 17 पम्प हाउस का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। अधिशासी अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि 17 सीडब्लूआर के पम्प हाउस पर पीसीसी का कार्य (0–25 प्रतिशत) पूर्ण, 01 सीडब्लूआर के पम्प हाउस पर राफ्ट कार्य (26–50 प्रतिशत), 03 सीडब्लूआर के पम्प हाउस पर रिटेनिंग वॉल कार्य (51–75 प्रतिशत) एवं 13 सीडब्लूआर के पम्प हाउस पर स्लैब कार्य (76–99 प्रतिशत) प्रगति पर है। प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा बताया गया कि सीडब्लूआर के पम्प हाउस के समस्त कार्य सितम्बर 2026 तक पूर्ण करा लिये जायेंगे। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, एन0सी0सी0 को तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए सर्वोच्च प्राथमिकता पर कार्य समयान्तर्गत पूर्ण करने के निर्देश दिये गये।
3. **सब स्टेशन बिल्डिंग (Sub-Station Building) की प्रगति–** जल जीवन मिशन के अन्तर्गत मै0 एन0सी0सी0 द्वारा 17 सीडब्लूआर पर 17 सब स्टेशन बिल्डिंग (**HT Room, LT Room, Scada Room** आदि) का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। जिसमें 05 सीडब्लूआर के सब स्टेशन बिल्डिंग पर फुटिंग का कार्य(0–25 प्रतिशत), 01 सीडब्लूआर के सब स्टेशन बिल्डिंग पर प्लीथ बीम का कार्य(26–50 प्रतिशत) कार्य प्रगति पर है। 02 सीडब्लूआर के सब स्टेशन बिल्डिंग पर लिन्टेल बीम कार्य(51–75 प्रतिशत) एवं 09 सीडब्लूआर के सब स्टेशन बिल्डिंग पर रूफ स्लैब कार्य (76–99 प्रतिशत) कार्य प्रगति पर है। है। प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा बताया गया कि 05 सब स्टेशन बिल्डिंग हेतु मिट्टी भराव की आवश्यकता है जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा 05 किमी0 के अन्दर वाली किसी भी ग्राम पंचायत से मिट्टी उपलब्ध कराने के लिए सम्बन्धित उपजिलाधिकारी से सम्पर्क करते हुये मिट्टी भरान का कार्य करायें। यह ध्यान रखा जाये कि मिट्टी खुदाई 01 मीटर से ज्यादा गहरी न करें। साथ ही तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए सर्वोच्च प्राथमिकता पर कार्य समयान्तर्गत पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये। यह सुनिश्चित किया जाये कि **Drawing/Design** के अनुसार ही निर्माण कार्य करायें।

Scanned with OKEN Scanner

4. **क्लोरीनेटर बिल्डिंग (Clorinator Building) की प्रगति–** अधिशासी अभियंता, उ० प्र० जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत मै० एन०सी०सी० द्वारा 17 सीडब्लूआर पर 17 क्लोरीनेटर बिल्डिंग एवं UGR पर 01 क्लोरीनेटर बिल्डिंग का निर्माण कार्य किया जाना है। 07 सीडब्लूआर के क्लोरीनेटर बिल्डिंग पर कार्य(0–25 प्रतिशत) प्रारम्भ नही किया गया है। एवं 11 सीडब्लूआर के क्लोरीनेटर बिल्डिंग पर फुटिंग का कार्य पूर्ण किया गया है। 02 सीडब्लूआर के क्लोरीनेटर बिल्डिंग पर लिन्टेल बीम कार्य(51–75 प्रतिशत) एवं 09 सीडब्लूआर के क्लोरीनेटर बिल्डिंग पर रूफ स्लैब कार्य(76–99 प्रतिशत) प्रगति पर है। है। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, एन०सी०सी० को तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए प्राथमिकता पर कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये।

5. **पाइप लेइंग** – अधिशासी अभियंता उ० प्र० जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था को कुल 1967.71 किमी पाइप बिछाये जाने के सापेक्ष 1216.82 किमी कार्य पूर्ण हो चुका है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, एन०सी०सी० को निर्देशित किया गया कि पाइप लेइंग की गहराई मानक के अनुसार ही की जाये इसके साथ ही एम.एस पाइप की ज्वाइंटिंग एव वेल्डिंग अनुबन्ध के अनुसार आई.एस. कोड में निहित मानकों के अनुसार की जायें तथा टीम व मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए, स्वीकृत ड्राइंग एव डिजाइन तथा गुणवत्ता मानको का पालन कराते हुए कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करे।

6. **यमुना ब्रिज की प्रगति:–** अधिशासी अभियंता उ० प्र० जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि पाइपलाइन बिछाने जाने के लिए यमुना नदी पर ब्रिज निर्माण का कार्य किया जा रहा है। यमुना पर ब्रिज निर्माण की कुल भौतिक प्रगति 75 प्रतिशत है। जिसमें 44 **PSC Grider (29.8 Mtr.)** के सापेक्ष 29 **PSC Grider** का निर्माण कार्य पूण हो चुका है। 117 पाइलों(21 X 5, 2 X 6,1) में से 117 पाइलो का कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा इसी प्रकार 23 पाइल कैप में से 16 पाइल कैप, 21 पाइल शाफ्ट मे से 12 पाइल शाफ्ट तथा 21 पियर कैप में से 4 पियर कैप का कार्य एवं 2 एवटमैंट में से 1 एवटमेंट कार्य किया जा चुका है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, एन०सी०सी० को निर्देशित किया गया कि टीम व मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए, स्वीकृत ड्राइंग एवं डिजाइन तथा गुणवत्ता मानको का पालन कराते हुए कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करे।

7. **ऊंटगन ब्रिज की प्रगति:–** अधिशासी अभियंता उ० प्र० जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि पाइपलाइन बिछाने जाने के लिए ऊंटगन नदी पर ब्रिज निर्माण का कार्य किया जा रहा है। ऊंटगन ब्रिज निर्माण की कुल भौतिक प्रगति 75 प्रतिशत है। जिसमें 22 **PSC Grider (29.5 Mtr.)**के सापेक्ष 15 **PSC Grider** का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। 49 पाइलों(10 X 4, 2 X 4, 1) में से 49 पाइलों का कार्य शत–प्रतिशत पूर्ण किया जा चुका है तथा इसी प्रकार 12 पाइल कैप में से 11 पाइल कैप, 10 पाइल शाफ्ट में से 05 पाइल शाफ्ट तथा एवं 2 एबटमेंट में से 2 एबटमैंट कार्य शत–प्रतिशत कार्य पूर्ण किया जा चुका है एवं 10 पियर कैप का कार्य प्रारम्भ नहीं किया गया है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, एन०सी०सी० को निर्देशित किया गया कि टीम व मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए, स्वीकृत ड्राइंग एवं डिजाइन तथा गुणवत्ता मानको का पालन कराते हुए कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

8. **हाइड्रोटेस्टिंग–** समीक्षा बैठक में अधिशासी अभियंता उ० प्र० जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि 1216.82 किमी पाइप लेइंग की गयी है जिसके सापेक्ष 200.71 किमी की हाइड्रोटेस्टिंग हुई है जो कि बहुत कम है इस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा नाराजगी व्यक्त की गयी तथा प्रोजेक्ट मैनेजर, एनसीसी को निर्देशित किया गया कि निर्धारित मानको के अनुसार सभी लेइंग किये गये पाइपों की हाइड्रोटेस्टिंग की जाये।

9. **रोड़ रेस्टोरेशन–** अधिशासी अभियंता, उ० प्र० जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था मै० एन०सी०सी० द्वारा रोड़ डिस्मेन्टलिंग 22.24 किमी की गयी है जिसके सापेक्ष में 5.32 किमी कार्य पूर्ण किया जा चुका है। शेष 16.92 किमी० रोड़ रेस्टोरेशन का कार्य प्रगति पर है। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, एन०सी०सी० को निर्देशित किया गया कि तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए रोड़ रेस्टोरेशन का कार्य करायें। साथ ही, रोड रेस्टोरेशन से संबंधित कार्यों का भुगतान संबंधित विभाग से एन०ओ०सी० प्राप्त होने के उपरांत ही किया जाए।

10. **एन०ओ०सी०–** अधिशासी अभियंता उ० प्र० जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि मै० एन.सी.सी के एन०ओ०सी० का विवरण निम्नवत् है–

   - **रेलवे एन०ओ०सी–** रेलवे के अन्तर्गत फर्म को 71 एन०ओ०सी० की आवश्यकता है जिसके अन्तर्गत 66 एन०ओ०सी पोर्टल पर अप्लाई कर दी गयी है। 47 एन०ओ०सी० प्राप्त हो चुकी है।
   - **एन०एच०आई०–** एन०एच०आई० के अन्तर्गत फर्म को 07 फाइल के अन्तर्गत 37 एन०ओ०सी० की आवश्यकता है जिसके अन्तर्गत सभी एन०ओ०सी पोर्टल पर अप्लाई कर दी गयी है। 04 नग एन.ओ.सी का एस्टीमेट रिसीव हुआ है एवं 03

Scanned with OKEN Scanner

नग एन.ओ.सी का एस्टीमेट का भुगतान किया जा चुका है। 03 फाइल की एन0ओ0सी0 की परमीशन प्राप्त हो चुकी है।

- **एन0एच0(पी0डब्लू0डी)**– एन0एच0(पी0डब्लू0डी) के अन्तर्गत फर्म को 03 नग एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है जिसके अन्तर्गत सभी एन0ओ0सी अप्लाई कर दी गयी है सभी परमिशन प्राप्त हो चुकी है।
- **Yeida-** येडा के अन्तर्गत 01 नग एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है जिसकी परमिशन प्राप्त हो चुकी है।
- **यूपीडा(UPEIDA)**- यूपीडा के अन्तर्गत 01 नग एन0ओ0सी फर्म द्वारा अप्लाई कर दी गयी है जिसका ज्वाइंट इन्सपेक्शन हो चुका है एवं एस्टीमेट 22.04.2025 यूपीडा लखनऊ से अप्राप्त है।
- **सिंचाई विभाग**– सिंचाई विभाग के अन्तर्गत कुल 283 एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है 283 एन0ओ0सी पोर्टल पर अप्लाई कर दी गयी है। 02 एन0ओ0सी0 प्राप्त हो चुकी है।
- **वन विभाग**– फॉरेस्ट विभाग के अन्तर्गत फर्म को 11 एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है जिसमें 06 एन0ओ0सी0 परिवेश पोर्टल पर अप्लाई कर दी गयी है। 02 नग एन.ओ.सी प्राप्त हो चुकी है वाइल्ड लाइफ सेंचरी की एनओसी हेतु ज्वाइंट विजिट कर परिवेश पोर्टल पर ऑनलाइन अपलोड कराया जा रहा है।

जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देश दिये गये कि अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति) एवं अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), आगरा सभी सम्बन्धित विभागों से अप्राप्त एन0ओ0सी0 की साप्ताहिक समीक्षा करके उसे जल्द से जल्द प्राप्त करायेंगे।

11 **नॉन–कंप्लायंस रिपोर्ट**– टीपीआई के डीपीएम द्वारा बताया गया कि मै0 एन0सी0सी0 पर कुल 96 एन0सी0 लगायी गयी थी जिसमें से 84 एन0सी0 का अनुपालन हो गया है। वर्तमान में 12 एन0सी0 (क्रिटिकल–06, मेजर–06) अभी लंबित है जिनको अभी तक कार्यदायी संस्था द्वारा पूर्ण नही की गया है। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा मै0 एन0सी0सी0 के प्रोजेक्ट मैनेजर, को निर्देशित किया गया कि जल्द से जल्द लंबित एन0सी0 का नियमानुसार निस्तारित करायें। यदि गुणवत्ता मे कमी पायी जाती है तो कठोर कार्यवाही की जाएगी। टी.पी.आई को निर्देशित किया गया कि गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें।

<u>मै0 मेघा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0, पैकेज–02</u>

1. **अवर जलाशय (OHT) की प्रगति**– अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि मै0 मेघा इंजीनियरिंग द्वारा अभी तक 407 के सापेक्ष मात्र 380 ओ0एच0टी0 पर कार्य प्रगति पर है। जिसमें 06 नग पर खुदाई कार्य, 112 नग पर पी0सी0सी0 कार्य, 20 नग पर राफ्ट कार्य, 68 नग पर जी.एल लेवल तक कार्य, 42 नग पर स्टेजिंग कार्य, 68 नग पर स्टेयरकेस कार्य, 54 नग पर स्लैब कार्य तथा 10 नग पर आर0सी0सी0 डोम कार्य प्रगति पर है। टी.पी.आई द्वारा बताया गया कि 1050 के सापेक्ष मात्र 678 मैनपावर उपलब्ध है जो कि बहुत कम है जिससे निर्माण कार्य धीमी गति से हो रहा है। इनकी मैनपावर कम है, जिससे निर्माण कार्य अत्यन्त धीमी गति से हो रहा है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा मै0 मेघा इंजीनियरिंग से शेष ओएचटी पर कार्य न होने का कारण पूछा गया। जिस पर प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा बताया गया कि 17 ओएचटी पर निर्माण कार्य विभिन्न कारणों से बाधित है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि जॉच कराकर कार्य शीघ्र प्रारम्भ करायें तथा मै0 मेघा इंजी0 के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया गया कि तत्काल मैनपावर बढ़ायें एवं कार्य को ससमय गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें तथा शेष बची हुई 10 ओएचटी पर शीघ्र कार्य प्रारम्भ करायें।
2. **पाइप लेइंग**– अधिशासी अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि पाइप लेइंग के अन्तर्गत कुल 7567.76 किमी पाइप लाइन बिछाये जाने के सापेक्ष 4245.85 किमी पाइप लाइन बिछाये जाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। अगस्त माह में 88 किमी0 पाइप लेइंग एवं 16000 एफ.एच.टी.सी का लक्ष्य है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, मै0 मेघा इंजीनियरिंग को निर्देशित किया गया कि वह शेष डिस्ट्रीब्यूशन पाइप की आपूर्ति को लक्ष्य के सापेक्ष पूर्ण कराना सुनिश्चित करें तथा टीम व मैन पावर की संख्या बढ़ाते हुए गुणवत्ता मानकों का पालन कराते हुए कार्य कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही अधिशासी अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया गया कि पाइप बिछाये जाने के दौरान लेइंग की गहराई का विशेष ध्यान रखते हुए मानक के अनुसार कार्य कराना सुनिश्चित करें।
3. **हाइड्रोटेस्टिंग**– समीक्षा बैठक में अधिशासी अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि 4245.85 किमी पाइप लेइंग की गयी है जिसके सापेक्ष 823.65 किमी की हाइड्रोटेस्टिंग हुई है जो कि बहुत कम है इस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा नाराजगी व्यक्त की गयी तथा प्रोजेक्ट मैनेजर, मेघा इंजी0 को निर्देशित किया गया कि निर्धारित मानकों के अनुसार सभी लेइंग किए गये पाइपों की हाइड्रोटेस्टिंग की जाये।

Scanned with OKEN Scanner

4. **एफ0एच0टी0सी0 की स्थिति–** अधिशासी अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत जनपद आगरा में कार्यदायी संस्था मै0 मेघा इंजीनियरिंग को 810 राजस्व ग्रामों में कुल 296833 एफ0एच0टी0सी0 का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसके सापेक्ष संस्था द्वारा 91127 एफ0एच0टी0सी0 कनेक्शन दिये गये। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा मै0 मेघा इंजीनियरिंग को निर्देश दिया कि मशीनरी व लेबर की संख्या बढ़ाते हुए नल संयोजन की गति को तीव्र कराए। हाउस टैप कनेक्शन को घर के अन्दर तक पहुंचाया जाए एवं स्कूलों, पंचायतों भवनों आंगनबाड़ी केन्द्रो व अन्य सरकारी भवनों पर भी नियमानुसार नल संयोजन करायें जाए तथा यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी ग्राम पंचायत एवं राजस्व ग्राम का कोई मजरा छूट ना पायें एवं प्रत्येक दशा में एफ0एच0टी0सी0 कनेक्शन घर के अन्दर ही हो एवं सही तरीके से क्लेपिंग व ज्वाइंटिंग की जायें।
5. **रोड़ रेस्टोरेशन–** अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था मै0 मेघा इंजी0 के द्वारा रोड़ डिस्मेन्टलिंग 1318.18 किमी की गयी है जिसके सापेक्ष में 1197.28 किमी कार्य पूर्ण किया जा चुका है। शेष 120.90 किमी0 रोड़ रेस्टोरेशन का कार्य लंबित है। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, मै0 मेघा इंजीनियरिंग को निर्देशित किया गया कि तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए रोड़ रेस्टोरेशन का कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें एवं पाइप लाइन बिछाने के दौरान सी0सी0 रोड की कटिंग जे0सी0बी0 से न कराकर रोड़ कटर से करायें व कॉम्पेक्टर के माध्यम से पूर्ण कॉम्पैक्शन करायें। अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया गया कि मै0 मेघा इंजी0 के द्वारा जो रोड़ रेस्टोरेशन किया गया है वहीं पर कार्य संतोषजनक है या गुणवत्ता खराब है की जॉच कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करें तथा रिपोर्ट भेजे।
6. **नॉन–कंप्लायंस रिपोर्ट–** टी0पी0आई के डीपीएम द्वारा बताया गया कि मै0 मेघा इंजीनियरिंग को कुल 268 एन0सी0 लगायी गयी थी जिसमें से 132 एन0सी0 का अनुपालन हो गया है। वर्तमान में 136 (क्रिटिकल–94 एवं मेजर–38 माइनर–04) एन0सी0 अभी लंबित है जिनको अभी तक कार्यदायी संस्था द्वारा क्लोज नहीं की गयी है। टी.पी.आई द्वारा बताया गया कि मै0 मेघा इंजी द्वारा एन.सी क्लोज नहीं की जा रही है जिससे गुणवत्ता प्रभावित हो रही है, जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा मै0 मेघा इंजीनियरिंग के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया गया कि जल्द से जल्द लंबित एन0सी0 का नियमानुसार निस्तारण करायें। यदि गुणवत्ता में कमी पायी जाती है तो कठोर कार्यवाही की जायेगी। टी.पी.आई को निर्देशित किया गया कि गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें।
7. **एन0ओ0सी0–** अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि मै0 मेघा इंजी0 द्वारा एन0ओ0सी0 के कार्यों मे रूचि नहीं ली जा रही है। एन0ओ0सी0 का विवरण निम्नवत् है–
   - **रेलवे एन0ओ0सी–** रेलवे के अन्तर्गत फर्म को 59 एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है जिसके अन्तर्गत सभी एन0ओ0सी पोर्टल पर अप्लाई कर दी गयी है। 36 एन0ओ0सी0 प्राप्त हो चुकी है।
   - **एन0एच0ए0आई0(NHAI)-** एन0एच0ए0आई0 के अन्तर्गत फर्म को 06 एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है जिसके अन्तर्गत सभी एन0ओ0सी पोर्टल पर अप्लाई कर दी गयी है। 03 एन0ओ0सी0 के एस्टीमेट प्राप्त हो चुके है एवं सभी का भुगतान किया जा चुका है। शेष 03 नग एन.ओ.सी में दिनांक 30.09.2025 से एन0एच0ए0आई0 द्वारा कुछ **Observation** दिये गये थे जिसका फर्म द्वारा **Compliance** लंबित है।
   - **एन0एच0(पी0डब्लू0डी)–** एन0एच0(पी0डब्लू0डी) की फर्म द्वारा 01 नग एन0ओ0सी0 जिसके अन्तर्गत 42 क्रासिंग है। जिसका एस्टीमेट रिसीव हो चुका है।
   - **Yeida-** येडा के अन्तर्गत 01 नग एन0ओ0सी0 फर्म द्वारा अप्लाई की गयी है जिसकी परमिशन प्राप्त हो चुकी है एवं कार्य प्रगति पर है।
   - **यूपीडा(UPEIDA)-** यूपीडा के अन्तर्गत 01 नग एन0ओ0सी फर्म द्वारा अप्लाई कर दी गयी है जिसका ज्वाइंट इन्सपेक्शन हो चुका है एवं एस्टीमेंट 22.04.2025 यूपीडा लखनऊ से अप्राप्त है।
   - **सिंचाई विभाग–** सिंचाई विभाग के अन्तर्गत कुल 183 एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है 67 नग एन.ओ.सी. हेतु ड्राइंग अधिशासी अभियंता लोअर खण्ड आगरा नहर, आगरा के यहॉ जमा करवा दी गयी हैं शेष प्रक्रियाधीन हैं। 67 एन.ओ.सी का एस्टीमेट प्राप्त हो चुका है। शेष एन.ओ0सी0 का सिंचाई विभाग से संबंधित नहरों का डाटा लेकर जी.ए.डी की प्रक्रिया प्रक्रियाधीन है।
   - **वन विभाग–** फॉरेस्ट विभाग के अन्तर्गत फर्म द्वारा 02 नग एन.ओ.सी परिवेश पोर्टल पर अप्लाई की गयी है जिसके अन्तर्गत 10 नग क्रासिंग/समानान्तर बिछाये जाने हेतु जरूरत है। वाइल्ड लाइफ/चम्बल संचुरी की एन.ओ.सी के लिये परिवेश पोर्टल पर 05.05.2026 को संशोधित कर प्रपोजल पुनः अपलोड कर दिया गया है।

Scanned with OKEN Scanner

मै0 मेघा इंजी0 के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया गया कि शेष बची हुई सम्बन्धित विभागों की **NOC** तत्काल अप्लाई करें।

जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देश दिये गये कि अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति) एवं अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), आगरा सभी सम्बन्धित विभागों से अप्राप्त एन0ओ0सी0 की साप्ताहिक समीक्षा करके उसे जल्द से जल्द प्राप्त करायेंगे।

मै0 दारा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा0 लि0। (O&M)

1. **संचालन एवं रखरखाव–** अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि मै0 दारा इंजीनियरिंग को जनपद आगरा की 89 नग पेयजल योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव हेतु दिनांक 01.05.2025 को शासन द्वारा अनुबन्धित किया गया है। जिसके अन्तर्गत फर्म को पेयजल योजनाओं का प्राक्कलन तैयार कर अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) कार्यालय में जमा करा दिया गया है। जिसमें 73 नग पेयजल योजनाऐं आंशिक क्रियाशील एवं 16 नग पेयजल योजनाऐं बंद थी। यद्यपि इनके द्वारा 16 नग अक्रियाशील पेयजल योजनाओं में से 5 नग योजनाऐं आंशिक क्रियाशील की गयी है परन्तु इनका गृह जल संयोजन कवरेज प्रति माह कम होता जा रहा है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा मै0 दारा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा0 लि0 को निर्देशित दिये कि बंद पड़ी 16 नग पेयजल योजनाऐं को नियमानुसार शीघ्र चालू कर जलापूर्ति सुचारू करें।
2. **टी.टी.एस.पी का रखरखाव एवं संचालन–** अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि मै0 दारा इंजीनियरिंग को 6393 टी.टी.एस.पी का संचालन एवं रखरखाव हेतु अनुबन्धित किया गया हैं जिसमें से 2206 टी.टी.एस.पी पूर्ण रूप क्रियाशील है 2347 टी.टी.एस.पी अस्थायी रूप क्रियाशील है एवं 1840 टी.टी.एस.पी स्थायी रूप अक्रियाशील है। आर.बी.एसोसियेट के टीम लीडर द्वारा बताया गया कि 2347 अस्थायी रूप से क्रियाशील टी.टी.एस.पी में से इनके द्वारा मात्र 946 टी.टी.एस.पी की मरम्मत कराकर चालू किया गया है इसके साथ ही 12 स्थायी रूप से अक्रियाशील टी.टी.एस.पी को सुचारू किया गया हैं, जो बहुत कम है। इसके साथ ही अधोहस्ताक्षरी द्वारा टी.टी.एस.पी. के संचालन एवं अनुरक्षण में पाई गई समस्त कमियों का तत्काल निराकरण कराया जाए। इसके लिए नियमित निरीक्षण एवं अनुरक्षण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। लीकेज मरम्मत, टी.टी.एस.पी. की मरम्मत/प्रतिस्थापन, क्लोरीनेशन व्यवस्था तथा अन्य अनुरक्षण कार्यों की दैनिक प्रगति रिपोर्ट अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) एवं अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी महोदय द्वारा कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की गई। इस पर अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि जे0 जे0एम0–2 के दिशा–निर्देशों के अनुसार योजनान्तर्गत समस्त कार्यों को पूर्ण करने की प्रस्तावित तिथि 31 दिसम्बर, 2027 निर्धारित है। परंतु मै0 एन.सी.सी द्वारा सीडब्लूआर के समस्त कार्य सितम्बर 2026 तक पूर्ण करा लिये जायेंगें। एवं मै0 मेघा इंजी0 द्वारा समस्त कार्य को जुलाई 2027 तक पूर्ण करा लिया जायेगा। जिसकी कार्य योजना जल निगम (ग्रामीण) कार्यालय में जमा करा दी गयी है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया गया कि प्रस्तुत माइक्रो प्लान के सापेक्ष प्रगति की नियमित समीक्षा की जाये तथा प्रगति योजना के अनुरूप न पाये जाने पर अनुबंध की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जायें। मै0 दारा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा0 लि0 को निर्देश दिये कि वह अपनी कार्यशैली में सुधार करते हुये मरम्मत एवं रिपेयरिंग कार्य कर सभी योजनाओं को शीघ्र क्रियाशील करें।

उक्त के अतिरिक्त अध्यक्ष महोदय द्वारा निम्नानुसार निर्देश दिये गये–

1. जल जीवन मिशन फेज–04 के अंतर्गत संचालित समस्त कार्यों की पिछली माह की समीक्षा बैठक में उपलब्ध प्रगति तथा वर्तमान समीक्षा बैठक तक हुई वास्तविक प्रगति का कार्यवार एवं मदवार तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत करें।
   (कार्यवाही:–अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम(ग्रामीण), डी.पी.एम, टी.पी.आई, एवं जिला समन्वयक, डी.पी.एम.यू)।
2. समस्त सहायक अभियंता तहसीलवार मॉनिटरिंग करें एवं साथ ही ग्राम पंचायत वार मासिक कार्ययोजना के अनुरूप कार्य कराना सुनिश्चित करें।
   (कार्यवाही:–अधिशासी अभियंता/सहायक अभियंता उ0 प्र0 जल निगम(ग्रामीण)।
3. मै0 मेघा इंजी कम्पोनेंट वाइज सभी तहसीलों में आवश्यकतानुसार मैनपावर/गैंग को नियुक्त करें ताकि सभी सहायक अभियंता कार्यों की कुशल तरीके से मॉनिटरिंग कर सके। इस निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाये।
   (कार्यवाही:–प्रोजेक्ट मैनेजर, मै0 मेघा इंजीनियरिंग)।

Scanned with OKEN Scanner

4 मै0 एन.सी.सी.-एप्को (जेवी) को निर्देशित किया गया कि यमुना व कटगन ब्रिज पर (पाइलिंग, पाइल कैप, पाइल शाफ्ट, पियर कैप व पी.एस.सी गेडर) व अन्य सभी घटकों पर मैनपावर/मशीनरी बढ़ाते हुये समयान्तर्गत कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करे।

(कार्यवाही–जे.जी.एम, मै0 एन.सी.सी–एप्को(जे.वी))।

5 मै0 दारा इंजीनियरिंग आंशिक क्रियाशील टी.टी.एस.पी. योजनाओं पर टीम बढ़ाकर तेजी से कार्य कराते हुए टी.टी.एस.पी को क्रियाशील कराना सुनिश्चित करे।

(कार्यवाही–प्रोजेक्ट मैनेजर, मै0 दारा इंजीनियरिंग)।

अन्त मे जिलाधिकारी महोदय द्वारा अधिशासी अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण), को निर्देशित किया गया कि बैठक मे दिये गये निर्देशो का तहसीलवार सम्बन्धित सहायक अभियन्ता एवं फर्म द्वारा अनुपालन कराते हुए अनुपालन आख्या एवं कृत कार्यवाही आगामी पाक्षिक समीक्षा बैठक मे प्रस्तुत करे।

/

अपर जिलाधिकारी
नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति
आगरा।

कार्यालय जिलाधिकारी आगरा।

(नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति)

पत्रांक 1122 / जे0जे0एम0/का0वृ0 / 121 दिनांक 27-8-2026

प्रतिलिपिः– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. अधिशासी निदेशक महोदय, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ को सादर अवलोकनार्थ।
2. जिलाधिकारी महोदय, आगरा को सादर सूचनार्थ।
3. मुख्य विकास अधिकारी महोदया, आगरा।
4. अधिशासी अभियंता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), आगरा को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि सतत पर्यवेक्षण करते हुए गुणवत्ता मानको को लागू कराते हुए अनुपालन कराना सुनिश्चित करें व अनुपालन आख्या प्रेषित करें।
5. अधिशासी अभियंता, उ0प्र0 जल निगम (वि0/यॉ0), आगरा को इस निर्देश के साथ जहॉ–जहॉ सिविल कार्य पूर्ण हो चुका है वहा पर E&M के उपकरण/मशीनरी की आपूर्ति कराकर शीघ्र ही इन्स्टॉलेशन का कार्य प्रारम्भ कराये।
6. समस्त सहायक अभियंता उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), आगरा इस निर्देश के साथ प्रेषित कि वह स्वयं अपने–अपने क्षेत्रों मे जाकर अपने पर्यवेक्षण में गुणवत्ता एवं मानकों का कड़ाई से अनुपालन कराना सुनिश्चित करे।
7. टीम लीडर/डी0पी0एम0, किशनर कन्सल्टिंग इंजीनियर्स (इण्डिया) प्रा0 लि0 आगरा को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि अपने पर्यवेक्षण करते हुए गुणवत्ता मानको का विशेष ध्यान रखे।
8. जिला समन्वयक, जिला परियोजना अनुश्रवण इकाई (डी0पी0एम0यू0), आगरा को अनुपालनार्थ।
9. जे0जी0एम0, मैसर्स एन0सी0सी0 एपको (जे0वी0) (पैकेज–1), आगरा को अनुपालनार्थ।
10. प्रोजेक्ट मैनेजर, मैसर्स मेघा इजी0 एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0 (पैकेज–2), आगरा को अनुपालनार्थ।
11. प्रोजेक्ट मैनेजर/डी0जी0एम0, मै0 दारा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा0 लि0, आगरा को इस निर्देश के साथ नियमानुसार योजनाओं का संचालन कराना सुनिश्चित करे।

27/08/2026

अपर जिलाधिकारी
नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति
आगरा।

Scanned with OKEN Scanner